अनुक्रमांक

नाम

अर्द्ध-वार्षिक परीक्षा, 2022-23

सामान्य हिन्दी

P

कक्षा – 12

[पूर्णांक : 100

समय : 3 घण्टा 15 मिनट]

नोट—(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) सम्पूर्ण प्रश्न-पत्र दो भागों खण्ड-(क) तथा खण्ड-(ख) में विभाजित है।
(iii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड—(क)

1. (क) सरस्वती पत्रिका के प्रथम सम्पादक हैं— 1
(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) श्यामसुन्दर दास
(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) हरदेव बाहरी

(ख) चिन्तामणि की गद्यविधा है— 1
(i) नाटक (ii) उपन्यास (iii) निबन्ध (iv) कहानी

(ग) प्रेमचन्द का उपन्यास है— 1
(i) कंकाल (ii) तितली (iii) गोदान (iv) चित्रलेखा

(घ) 'अशोक के फूल' निबन्ध के लेखक हैं— 1
(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(iii) विद्यानिवास मिश्र (iv) राम विलास शर्मा

(ङ) हिन्दी की कितनी उपभाषाएँ हैं? 1
(i) 4 (ii) 3 (iii) 2 (iv) 1

(क) अष्ट छाप' के कवि नहीं हैं— 1
(i) परमानन्द दास (ii) गोविन्द स्वामी
(iii) ईश्वरदास (iv) नन्ददास

(ख) हिन्दी का प्रथम कवि माना जाता है— 1
(i) शबरपा (ii) सरहपा (iii) लुइपा (iv) कण्हपा

(ग) सूफी काव्य धारा के कवि हैं— 1
(i) रसखान (ii) रहीम (iii) जायसी (iv) नानक

(घ) काव्य के कितने भेद होते हैं? 1
(i) 1 (ii) 2 (iii) 3 (iv) 4

(ङ) प्रेम माधुरी के रचयिता हैं— 1
(i) प्रतापनारायण मिश्र (ii) बालकृष्ण भट्ट
(iii) लाल श्रीनिवास दास (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5 × 2 = 10

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनंत काल से है उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्त्तव्य है। भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरूक होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचारधाराओं की जननी है। जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मल होती है। राष्ट्रीयता की जड़ें पृथ्वी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा। पृथ्वी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना, उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचाना ना आवश्यक धर्म है।—

(i) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) 'राष्ट्रीयता की जड़ें पृथ्वी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा।'' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
(iv) गद्यांश के केन्द्रीय भाव पर प्रकाश डालिए।
(v) देवताओं द्वारा निर्मित भूमि के प्रति मानव जाति का क्या कर्त्तव्य है?

अथवा

कहते हैं, दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है। केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है, शायद अशोक से स्वार्थ-स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) अशोक को विस्मृत करने का आधार किसे माना गया है?
(iv) लेखक ने दुनिया का किस तरह का व्यवहार बताया है?
(v) स्वार्थ का अखाड़ा किसे कहा गया है?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $5 \times 2 = 10$

मेरे प्यारे नव जलद से कुंज से नेत्र वाले
जाके आधे न मधुवन से यों न भेजा संदेसा।
मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ।
जाके मेरी सब दु:ख-कथा श्याम को तू सुना दे॥

(i) राधा किसके द्वारा कृष्ण को संदेश भिजवाती है?
(ii) कृष्णा का सौन्दर्य कैसा है? उल्लेख कीजिए।
(iii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(iv) राधा की मनोदशा की वर्णन कीजिए।
(v) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

अथवा

निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा-धिक्कार!
उसे था महास्वार्थ ने घेरा।
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई
जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई।''
पागल-सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई।
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई,

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कैकेयी स्वयं को धिक्कारती हुई क्या कहती हैं?
(iv) कैकेयी के प्रर्यश्चित के उपरान्त श्रीराम उनसे क्या कहते हैं?
(v) प्रभु राम के साथ कैकेयी के अपराध का अपमार्जन करती हुई सभा क्या चिल्ला उठी?

https://www.upboardonline.com

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख वृत्तियों का उल्लेख कीजिए—(अधिकतम शब्द 80 सीमा शब्द) 3 + 2 = 5
(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए—(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (ii) मैथलीशरण गुप्त
(iii) जयशंकर प्रसाद

6. पंचलाइट (अथवा) 'ध्रुवयात्रा' कहानी का सरांश लिखिए। 5
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य के 'तीसरे सर्ग' का सारांश लिखिए।

खण्ड—(ख)

8 (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

याज्ञवल्क्य उवाच न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति आत्मनस्तु वै कामाय पति प्रियो भवति। न वा अरे जा थायाः का माय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति, न वा अरे पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय, पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रों वित्तं वा प्रिय भवति। न वा अरे। सर्वस्य कामाय सर्वप्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

अथवा

अतीते प्रथम कल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्य प्राप्तं सर्वाकार परिपूर्ण पुरुष राजानम कुर्वन्। चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंह राजानम कुर्वन तत: शकुनिगणाः हिमवत् प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुस्पदेषु च, अस्माकं पुनस्तरे राजा नास्ति अराजको वासो नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयित्वय: इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एक मुलूकं दृष्टवा अयं नो रोचते इत्यवोचन्।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

परोक्षे कार्य हस्तारे प्रत्याक्षे प्रिय वादिनम्।
वर्जय-तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्॥

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियाम विवेकः परमा पदां पदम्।
वृणुते हि विमृश्य कारिणं गुण लुब्धा स्वयंमेव सम्पदः॥

9. निम्नलिखित मुहावरे और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए— 1 + 1 = 2
(i) हाथ कंगन को आरसी क्या। (ii) पापड़ बेलना।
(iii) सावन हरे न भादों सूखे। (iv) पानी-पानी होना।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए। 1
(i) यद्यपि का सही सन्धि-विच्छेद हैं—
(अ) यद्य + अपि (ब) य + धपि
(स) यधा + अपि (द) यदि + अपि

P.T.O.

https://www.upboardonline.com

(ii) 'भवनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) भव + नम् (ब) भव् + अनम्

(स) यो + अनम् (द) भ + वनम्

(iii) नायकः का सही सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) ने + इकः (ब) नाथ + कः

(स) नै + अकः (द) ना + यकः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों में 'विभक्ति' और वचन के अनुसार सही चयन कीजिए—

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है। 1

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन (ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) सप्तमी विभक्ति, एकवचन (द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(ii) नामसु— 1

(अ) तृतीया, एकवचन (ब) द्वितीया, बहुवचन

(स) पञ्चमी, द्विवचन (द) सप्तमी बहुवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए—

(i) अभिराम-अविराम 1

(अ) सुन्दर और विश्राम (ब) सुन्दर और लगातार

(स) घमण्ड और निरन्तर (द) प्रत्यक्ष और अविलम्ब

(ii) अंशु-अंश— 1

(अ) सूर्य और भाग (ब) भाग और प्रकाश

(स) किरण और भग (द) अग्नि और वरूण

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) अम्बर (ii) अर्क (iii) जनक

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए शब्द का चयन करके लिखिए— 2

जंगल की अग्नि—

(i) दावाग्नि (ii) वडवाग्नि (iii) जठराग्नि (iv) नभाग्नि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) मैंने हस्ताक्षर कर दिया (ii) विष्णू के अनेकों नाम हैं

(iii) माधव ने पुस्तक पढ़ लिया (iv) मैं पानी पी लिया हूँ।

12. (क) शान्त रस (अथवा) शृंगार रस का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा (अथवा) उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार (अथवा) रूपक अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

(ग) छोटा छन्द (अथवा) 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

13. बिजली समस्या के निराकरण हेतु अपने जिले के बिजली विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए। **(अथवा)** अपने जनपद के किसी विद्यालय में शिक्षक (प्रवक्ता) के रूप में कार्य करने के लिए अपना आवेदन-पत्र विद्यालय-प्रबन्धक को प्रस्तुत कीजिए। 2 + 4 = 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 9

(i) बढ़े बेटियाँ, पढ़े बेटियाँ (ii) छात्र और अनुशासन

(iii) गंगा प्रदूषण (iv) वन-सम्पदा

https://www.upboardonline.com